मेन्स मास्टर

यू.एस-चीन संबंधों को नेविगेट करना

शिखर सम्मेलन का परिणाम:

• **सैन्य संचार:** अमेरिका और चीन के बीच सैन्य-से-सैन्य संचार की बहाली।

• **समझौते की बहाली:** सैन्य समुद्री परामर्श समझौते के तहत सूचनाओं के नियमित आदान-प्रदान की बहाली।

• **बंद चैनल फिर से खोले गए**: नैन्सी पेलोसी की ताइवान की विवादास्पद यात्रा के बाद शुरू में बंद किए गए चैनल फिर से खोले गए, जिससे राजनयिक संबंधों पर असर पड़ा।

ताइवान मुद्दा:

• **विवादास्पद स्थिति:** ताइवान की स्थिति अमेरिका और चीन के बीच तनाव का मुख्य मुद्दा बनी हुई है।

• यात्राओं का विरोध: बीजिंग अमेरिकी अधिकारियों की ताइवान यात्राओं का कड़ा विरोध करता है और इसे स्थापित मानदंडों का उल्लंघन मानता है।

• **शक्ति का प्रदर्शन:** चीन ताइवान में अमेरिकी हस्तक्षेप के खिलाफ चेतावनी देता है और निवारक के रूप में सैन्य शक्ति का प्रदर्शन करता है।

व्यापार विवाद:

• **अमेरिकी कार्रवाई:** कंपनियों को काली सूची में डालना, चीन की एआई और सुपरकंप्यूटिंग से संबंधित महत्वपूर्ण तकनीक पर निर्यात नियंत्रण लगाना।

• **चीन की प्रतिक्रिया:** महत्वपूर्ण सामग्रियों (गैलियम, ग्रेफाइट) के निर्यात पर प्रतिबंध लगाना और डेटा सुरक्षा कानूनों को कड़ा करना जैसे प्रतिकार।

आगे बढ़ने का रास्ता:

• **लगातार संघर्ष:** अमेरिका-चीन संघर्ष विभिन्न प्रशासनों में समान रूपरेखा बनाए हुए बना हुआ है।

• **दृष्टिकोण में बदलाव:** पूर्ण अलगाव या 'अलगाव' के बजाय व्यावहारिक सह-अस्तित्व की खोज की दिशा में एक सूक्ष्म बदलाव आया है।

• **आर्थिक स्थिरता पर ध्यान:** तनाव को कम करने और टकराव को कम करने के संभावित मार्ग के रूप में अर्थव्यवस्थाओं को जोखिम से मुक्त करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

संसद की विशेष जांच समितियों की भूमिका

आचार समिति की भूमिका:

• आचार समिति द्वारा जांच: महुआ मोइत्रा को "अनैतिक आचरण" और "विशेषाधिकारों के उल्लंघन" के लिए जांच का सामना करना पड़ रहा है।

• **समिति का कार्य:** सदस्यों के नैतिक आचरण की निगरानी करना, अनैतिक व्यवहार के मामलों की जांच करना और सांसदों के खिलाफ शिकायतों की जांच करना।

विशेषाधिकार समितियाँ:

• **गंभीर आरोप:** सदस्यों के खिलाफ अधिक गंभीर आरोपों को संभालता है, जैसे 2005 में 'क्वेरी के लिए नकद' घोटाला।

• **ऐतिहासिक उदाहरण:** 1951 में, एक सदस्य को वित्तीय लाभ के लिए प्रश्न पूछकर व्यावसायिक हित को बढ़ावा देने का दोषी पाया गया था।

निष्कासन और संवैधानिक आधार:

• **संवैधानिक परिप्रेक्ष्य:** अनुच्छेद 101 एक सांसद की सीट खाली करने के लिए आधार निर्दिष्ट करता है, लेकिन निष्कासन का स्पष्ट रूप से उल्लेख नहीं किया गया है।

• **परस्पर विरोधी न्यायालय के फैसले:** सदन से निष्कासन की संवैधानिकता पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले अलग-अलग हैं।

सदन के विशेषाधिकार और प्रतिनिधित्व को संतुलित करना:

• **सज़ा की गंभीरता:** यह सवाल उठाता है कि क्या ऐसे कार्यों के लिए निष्कासन एक असंगत सज़ा है।

• **प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना:** अगले चुनाव या उप-चुनाव तक घटकों को प्रतिनिधित्व के बिना छोड़ने की चिंता।

संकल्प सुझाव:

• **कानूनी जांच और मुकदमा:** कानूनी जांच की मांग; ऐसे मामलों को निर्धारित समय सीमा के भीतर निपटाने के लिए फास्ट-ट्रैक अदालतें स्थापित करने का सुझाव दिया गया है।

• **परीक्षण के परिणाम:** प्रस्ताव है कि समयबद्ध परीक्षण में दोषसिद्धि के परिणामस्वरूप लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के तहत अयोग्यता होगी।

पर्यावरण पर खेती के प्रभाव के लिए कौन जिम्मेदार है?

परिचय:

• **वैश्विक कृषि प्रभाव:** कृषि उत्पादों की बढ़ती मांग के परिणामस्वरूप विश्व स्तर पर महत्वपूर्ण सामाजिक और पर्यावरणीय परिणाम सामने आते हैं।

• **वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला:** अंतर्राष्ट्रीय व्यापार वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बनाता है जो उपभोक्ताओं को दूर के प्रभावों से जोड़ता है, जिसमें कार्बन उत्सर्जन, जैव विविधता हानि, मीठे पानी की कमी, मिट्टी का क्षरण और श्रम-अधिकार मुद्दे शामिल हैं।

भारत की भूमिका:

• **प्रमुख खिलाड़ी**: भारत, अपने विशाल आकार और उपभोक्ता बाजार के कारण, कृषि उत्पादों के वैश्विक व्यापार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

• **पर्यावरणीय दबाव:** भारत में बड़े भूमि क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय मांग को पूरा करते हैं, जिससे राष्ट्रीय मिट्टी और जल संसाधनों पर दबाव पड़ता है।

• **वैश्विक प्रभाव:** भारत का उपभोक्ता बाजार घरेलू मांग को पूरा करने के लिए अपनी सीमाओं के बाहर भी भूमि का उपयोग करता है।

प्रभाव लेखांकन प्रतिमान:

• **उत्पादन-आधारित लेखांकन:** पारंपरिक पद्धति के उपाय उन स्थानों पर प्रभाव डालते हैं जहां उत्पादों का उत्पादन किया जाता है, जिससे 'लीक' के प्रबंधन, जवाबदेही और निष्पक्षता के बारे में चिंताएं बढ़ जाती हैं।

• **उपभोग-आधारित लेखांकन:** उपभोग के बिंदु पर प्रभावों का वर्णन करता है, उपभोक्ताओं से उत्पादन और व्यापार के दौरान पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों की जिम्मेदारी लेने का आग्रह करता है।

मांग परिप्रेक्ष्य:

• **समानता और न्याय:** उपभोग-आधारित लेखांकन समानता और न्याय के तर्कों के साथ संरेखित होता है, जो उत्पादन प्रथाओं के परिणामों के लिए उपभोक्ताओं को जिम्मेदार ठहराता है।

• **जिम्मेदारी बदलाव:** औद्योगिक राज्यों की जिम्मेदारी पर जोर देते हुए महत्वपूर्ण प्रभावों को भारत जैसे उभरते बाजारों से आर्थिक रूप से विकसित देशों में स्थानांतरित करता है।

आपूर्ति परिप्रेक्ष्य:

• **स्वच्छ उत्पादन को प्रोत्साहित करना**: उपभोग-आधारित लेखांकन उत्पादक देशों को निर्यात के पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए स्वच्छ उत्पादन के लिए रणनीतियों को लागू करने के लिए प्रोत्साहित करता है।a

• **मानकों के लिए प्रोत्साहन**: उत्पादकों को विदेशी बाजारों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए कृषि आपूर्ति श्रृंखलाओं में जीवन स्तर बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन मिलता है।

पर्यावरणीय कार्रवाई के लाभ:

• **नीतिगत पहल:** यूरोपीय आयोग यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाता है कि यूरोपीय संघ में उपभोग किए जाने वाले उत्पाद अपने मूल देशों में वनों की कटाई में योगदान न करें।

• **कार्बन उत्सर्जन पर प्रभाव:** ऐसे उपायों से वनों की कटाई और जैव विविधता हानि से कार्बन उत्सर्जन में अपेक्षित कमी।

भारत की स्थिति:

• **अद्वितीय स्थिति:** विकसित अर्थव्यवस्थाएं भारतीय कृषि उपज की खपत के कारण भारत में पर्यावरणीय पदचिह्न रखती हैं।

• **वनों की कटाई के पदचिह्न:** मांग के कारण भारत की सीमाओं के बाहर वनों की कटाई के पदचिह्न में वृद्धि हुई है।

उचित प्रभाव गुण:

• **वैश्विक पर्यावरणीय कार्रवाई:** उपभोग-आधारित लेखांकन वैश्विक पर्यावरणीय कार्रवाई, उत्पादकों और उपभोक्ताओं के बीच जिम्मेदारियों को साझा करने पर एक समझौते की सुविधा प्रदान करता है।

• **समन्वित कार्रवाई का अवसर:** विकसित अर्थव्यवस्थाओं को कुछ प्रभावों की जिम्मेदारी लेने का अवसर प्रदान करता है, जिससे भारत जैसी विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ने और कृषि प्रणालियों में सुधार करने की अनुमति मिलती है।

कार्यान्वयन चुनौतियाँ:

• **दायित्व और अनुपालन:** उपभोग-आधारित लेखांकन दायित्व, निगरानी और अनुपालन में चुनौतियों का सामना करता है, लेकिन प्रभाव-गहन उपभोग पैटर्न का निदान करने के लिए एक उपकरण के रूप में कार्य करता है।

• **घरेलू अनुप्रयोग:** घरेलू स्तर पर लागू किया जा सकता है, उत्पादकों से उपभोक्ताओं पर ध्यान केंद्रित किया जा सकता है और उपभोग व्यवहार में व्यक्तिगत और सामूहिक परिवर्तनों को प्रोत्साहित किया जा सकता है।

प्रीलिम्स बूस्टर

गुजरात का गरबा नृत्य यूनेस्को की सूची में शामिल

यूनेस्को के अंतर्गत समावेशन:

• **2003 कन्वेंशन**: 'गरबा' को यूनेस्को द्वारा अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिए 2003 कन्वेंशन के तहत शामिल किया गया।

• **विवरण**: गुजरात में नवरात्रि के नौ दिनों के दौरान मनाए जाने वाले एक अनुष्ठानिक और भक्ति नृत्य के रूप में वर्णित है, जो स्त्री ऊर्जा या शक्ति की पूजा के लिए समर्पित है।

गरबा का महत्व:

• **स्त्री ऊर्जा की पूजा:** सांस्कृतिक और दृश्य अभिव्यक्तियों के माध्यम से स्त्री दिव्य ऊर्जा का जश्न मनाता है।

• **सामुदायिक कार्यक्रम:** गरबा एक समावेशी सामुदायिक कार्यक्रम है जो घरों, मंदिर प्रांगणों, सार्वजनिक स्थानों और बड़े मैदानों में आयोजित किया जाता है।

यूनेस्को का परिप्रेक्ष्य:

• **संरक्षण और निरंतरता:** यूनेस्को को उम्मीद है कि यह मान्यता गरबा से जुड़े ज्ञान और कौशल को संरक्षित करने और आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

• **यूनेस्को में उत्सव:** एक मंडली ने यूनेस्को बैठक स्थल पर गरबा का प्रदर्शन किया, और गुजरात में कई क्यूरेटेड कार्यक्रमों ने इस अवसर को चिह्नित किया।

पीएम नरेंद्र मोदी की प्रतिक्रिया:

• **खुशी और गर्व:** पीएम मोदी ने गरबा के जीवन, एकता और भारतीय परंपराओं के उत्सव पर प्रकाश डालते हुए वैश्विक मान्यता पर खुशी व्यक्त की।

यूनेस्को द्वारा अन्य मान्यताएँ:

• **नए शिलालेख**: 'गुजरात के गरबा' के अलावा, नए शिलालेखों में विभिन्न सांस्कृतिक तत्व शामिल हैं जैसे बांग्लादेश में रिक्शा और रिक्शा पेंटिंग, थाईलैंड में सोंगक्रान, बहामास से जंकनू, आदि।

• **विविध अमूर्त विरासत:** सूची में अब 143 देशों के 704 तत्व शामिल हैं, जो दुनिया भर में अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की विविधता और महत्व को दर्शाते हैं।

भारतीय मूल के मीडिया कार्यकारी समीर शाह बीबीसी बोर्ड के प्रमुख होंगे

बीबीसी के नए अध्यक्ष की नियुक्ति:

• **समीर शाह:** एक ब्रिटिश-भारतीय मीडिया कार्यकारी, जिसे बीबीसी के नए अध्यक्ष के रूप में नेतृत्व करने के लिए चुना गया।

• **पृष्ठभूमि:** औरंगाबाद में जन्मे, मीडिया में इतिहास और कंजर्वेटिव पार्टी से जुड़ाव के साथ 1960 में यूके चले गए।

• **चुनौतियों का सामना किया गया:** बीबीसी की स्वतंत्रता, वित्तीय कठिनाइयों और लागत में कटौती के उपायों पर चिंताओं के बीच कार्यभार संभाला।

Google ने मनुष्यों की तरह व्यवहार करने के लिए प्रशिक्षित AI तकनीक 'जेमिनी' का अनावरण किया

प्रोजेक्ट जेमिनी का परिचय:

• **Google द्वारा लॉन्च:** मानव व्यवहार का अनुकरण करने के लिए डिज़ाइन किए गए AI मॉडल के रूप में Google द्वारा प्रोजेक्ट जेमिनी का अनावरण किया गया, जिससे इसकी क्षमता और जोखिमों के बारे में बहस छिड़ गई।

• **चरणबद्ध रोलआउट:** चरणों में जारी किया गया - "नैनो" और "प्रो" संस्करण तुरंत Google के चैटबॉट बार्ड और पिक्सेल 8 प्रो फोन में एकीकृत हो गए।

संख्या में समाचार

तोमर कहते हैं, 310 जिले जलवायु परिवर्तन के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील हैं

राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा वितरण:

• **"बहुत उच्च"** श्रेणी: उत्तर प्रदेश (22), उसके बाद राजस्थान (17), **बिहार (10)**, और अलग-अलग जिला संख्या वाले अन्य।

• **"अत्यधिक"** संवेदनशील: उत्तर प्रदेश (26), मध्य प्रदेश (14), उड़ीसा (13), पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, **बिहार**, राजस्थान में महत्वपूर्ण संख्या है।

• **अन्य राज्य:** झारखंड, मणिपुर, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, तमिलनाडु में भी "अत्यधिक" संवेदनशील जिले हैं।